

**M.Ed. SPECIAL EDUCATION-MENTAL
RETARDATION (MEDSEMR)**

Term-End Examination

June, 2015

**MMDE-066 : CURRICULUM AND TEACHING
STRATEGIES FOR PERSONS WITH MENTAL
RETARDATION**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 75

-
- Note :**
- (i) *Both Part - A and Part - B are compulsory.*
 - (ii) *Attempt any three questions from Part - A and any four questions from Part - B.*
-

PART - A

Answer any three of the following questions.

Each question carries 5 marks.

5x3=15

1. Mention different stages of curriculum development.
2. What are the factors which affect the determination of the content of a curriculum ?
3. Mention the scoring procedure of FACP (Functional Assessment Checklist for Programming)
4. "Chaining is an important teaching method to children with mental retardation". What are the different types of chaining ? Explain.

5. Mention some ethics that may be considered in behaviour modification.

PART - B

Answer any four of the following questions : $15 \times 4 = 60$

6. Life skill training is a core component of curriculum for children with mental retardation. How will you counsel the parents of a child for the same ?
7. Counselling should be done with consideration of some ethics. What are the ethics which may be taken care while counselling a parent of child with mental retardation.
8. Elaborate different approaches to curriculum development for children with special needs.
9. Explain the importance of functional academics as a part of curriculum. How will you train a child of 12 years in functional academics who is mild mentally retarded ?
10. "We adopt the curriculum for children with mental retardation". What are the curriculum adaptation at primary level ? Elaborate.
11. Cocurricular activities are the essential part of curriculum development. Explain the types and importance of cocurricular activities.
12. "Now a days technology is an essential component of special education". Justify the statement.

एम.एड. विशेष शिक्षा-मानसिक मंदता
(एम.ई.डी.एस.ई.एम.आर.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

एम.एम.डी.ई.-066 : मानसिक मंद व्यक्तियों के लिए
पाठ्यक्रम एवं शिक्षण विधियाँ

समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 75

नोट : भाग-अ तथा भाग-ब दोनों अनिवार्य हैं। भाग-अ से
किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए भाग-ब से किन्हीं चार प्रश्नों
के उत्तर दीजिए।

भाग - अ

निम्नांकित में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर लिखिए। प्रत्येक
प्रश्न 5 अंक का है। 5x3=15

1. पाठ्यक्रम विकास के विभिन्न चरण लिखिए।
2. पाठ्यक्रम की विषय वस्तु के निर्धारण को प्रभावित करने वाले तथ्यों को लिखिए।
3. एफ.ए.सी.पी. (फंक्शनल एसिसमेन्ट चेकलिस्ट फॉर प्रोग्रामिंग) की स्कोर प्रणाली लिखिए।
4. चेंनिंग मानसिक मन्द बच्चों के शिक्षण के लिए एक उपयोगी विधि है। चेंनिंग के विभिन्न प्रकार क्या हैं? व्याख्या करें।

5. व्यवहार परिमार्जन के समय ध्यान रखे जाने वाले कुछ नैतिक मूल्यों को लिखिए।

भाग - ब

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

15x4=60

6. मानसिक मन्द बच्चों के पाठ्यक्रम में जीवन कौशल प्रशिक्षण एक प्रमुख अवयव है। आप एक बच्चे के माता-पिता को इसका परामर्श कैसे देंगे ?
7. परामर्श के समय कुछ नैतिकताओं को ध्यान में रखना चाहिए। एक मन्द बुद्धि बच्चे के माता-पिता के परामर्श के समय आप किन नैतिकताओं को ध्यान में रखेंगे ?
8. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के पाठ्यक्रम विकास की विभिन्न प्रविधियों की विवेचना कीजिए।
9. पाठ्यक्रम के भाग के रूप में क्रियात्मक अध्ययन की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। एक 12 वर्षीय अति अल्प मानसिक मन्द बच्चे को आप क्रियात्मक अध्ययन में कैसे प्रशिक्षित करेंगे ?
10. “हम मानसिक मन्द बच्चों के लिए पाठ्यक्रम अनुकूलन करते हैं”। प्राइमरी स्तर पर पाठ्यक्रम अनुकूलन क्या हैं ? विवेचना कीजिए।
11. सह-पाठ्यक्रम क्रियायें पाठ्यक्रम विकास के लिए आवश्यक हैं। सह-पाठ्यक्रम क्रियाओं के प्रकार एवं महत्त्वों की व्याख्या कीजिए।
12. “आजकल तकनीकी विशेष शिक्षा का आवश्यक अंग है।” वाक्य को तर्कसंगत सिद्ध कीजिए।